अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 18.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा छठा वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

प्र. 1 गति-आगति (कितनी व कहां-कहां से) किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दें– 24

(क) सम्यक् दृष्टि।

(ख) अवधि ज्ञान।

(ग) संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में।

(घ) कृष्ण लेश्या वाले कृष्ण लेश्या में जाए तो?

(ङ) चतुर्थ नरक में।

(च) निकेवल अचक्षु दर्शन में।

(छ) नपुंसक वेद।

(ज) प्रथम किल्विषिक में।

(झ) हेमवत हैरण्यवत के यौगलिक में।

(ञ) बाल पंण्डित वीर्य में।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) शुक्ल लेश्या वाले शुक्ल लेश्या में जाए तो (आगति व गति)

(ख) उर्ध्व, अधो एवं मध्य लोक में जीव के भेद कितने व कौन-कौन से?

(ग) अर्द्ध पुष्कर द्वीप तथा देवता में कितने व कौन-कौन से भेद?

(घ) 10 भवनपति, 15 परमाधार्मिक, 16 व्यंतर, 10 त्रिजृंमक इन 51 जाति के देवों में तथा विभंग ज्ञान में गति-आगति।

(ङ) अवधि दर्शन में तथा अचरम में गति आगति।

कायस्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) काय परीत की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ख) पंचेन्द्रिय की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस कारण से है?

(ग) चतुरिन्द्रिय पर्याप्त की कायस्थिति लिखें।

(घ) बादर द्रव्य पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ङ) सकाय की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बताऐं कि उसके पीछे क्या कारण है?

(च) एकेन्द्रिय की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(छ) सयोगी की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस-किस अपेक्षा से है?

(ज) पहले व दूसरे देवलोक की परिगृहीत देवी की स्थिति लिखें।

(झ) नो संयति-नो असंयति किसे कहते हैं?

(ञ) छद्मस्थ व केवली का उपयोग कितने समय का होता है?

(ट) संयतासंयति की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ठ) नील लेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 30

(क) स्त्रीवेदी की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताऐं कि जघन्य कायस्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ख) बादर भाव पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ग) विभंग ज्ञानी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(घ) काय अपरीत की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(ङ) लोभ कषायी की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(च) चक्षुदर्शनी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित हो सकती है?

(छ) अवधि दर्शनी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अंतर बतायें।

(ज) सम्यक् मिथ्यात्वी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अंतर बतायें।

(झ) काय योगी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अंतर बतायें।

(ञ) तेजोलेश्यी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अंतर बतायें।

(ट) पर्याप्त की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अंतर बतायें।

(ठ) बादर द्रव्य पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

गीतिका (पांच वर्षों की)

प्र. 5 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखें– 4

(क) कौन से गुणस्थान शाश्वत व कौन से गुणस्थान अशाश्वत है?

(ख) धन देकर बंदी को छुड़ाते हैं वह कौन सा दान है?

(ग) जो मुनि डंडों से सेना को भगा देता है उसका नाम लिखें तथा वह किन चीजों का प्रतिसेवी होता है?

(घ) किन गुणस्थानों में ईर्यापथिक बंध होता है व उसकी स्थिति लिखें। किन सूत्रों में उसका वर्णन आता है?

(ङ) ..... और..... की पदवी बहुत बड़ी मानी जाती है। सब जीव इन्हें प्राप्त नहीं कर सकते।

(च) .....महावली थे और.....शीलवती थी। उन्होंने भी अपने कर्मानुसार सुख दुःख प्राप्त किए।

प्र. 6 किन्हीं चार पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 16

(क) खेत धान.....उफणोय।

(ख) मोह तणी.....मझारो रे।

(ग) दान स्यूं.....छाणियो ए।

(घ) ए सावद्य दान.....कर्म ए।

(ङ) ज्ञान दर्शन.....विचार।

(च) पाप धर्म.....लड़ाई रे।